ज्ञान का प्रैक्टिकल स्वरूप योगी जीवन

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

हमें बाबा(परमात्मा) में निश्चय है, ज्ञान की सत्यता में निश्चय है तो हमें कोई बात मुश्किल नहीं लगेगी। इसलिए हर महावाक्य को समझना बहुत ज़रूरी है जिसको हम कहते हैं दिव्य बुद्धि, सद्विवेक। जो बाबा कहते हैं वो बरोबर है, लेकिन जो बाबा कहते हैं वो ही बात मेरा दिल भी कहता है तो वो आचरण में आयेगा। बाबा तो कहते हैं लेकिन मेरा कहना तो ये है, मेरा मानना तो ऐसा है। बाबा तो कहते हैं लेकिन मेरी इच्छा तो ऐसी है, मेरा मन तो ये कहता है... जब तक ये बात है तब तक बुद्धि का समर्पण नहीं है, धारणा शुरू नहीं हो सकती। तब तक हमें पुरूषार्थ मुश्किल लगेगा। एक्यूरेट यही बात गीता में भी कही है, उदाहरण के तौर पर गीता में जो दिखाया गया है वो मैं बता रही हूँ कि जब भगवान ने अर्जुन को ज्ञान दिया तो अर्जुन स्वयं भी विद्वान था। इसलिए वो लगातार आर्गुमेंट(बहस) ही करता रहता है। भगवान से वो बहस करता था क्योंकि वो भी विद्वान था। इसलिए बार-बार पूछता था कि भगवान तो कहते हैं लेकिन इसका अर्थ क्या है? इसको कैसे अभी-अभी राजयोग कहते हैं, अभी-अभी कर्मयोग कहते हैं लेकिन मेरा योग तो आपसे लगता ही नहीं है। इस प्रकार अर्जुन बहस करता हुआ दिखाते हैं। तब तक अर्जुन को न निश्चय होता है और न ही भगवान के आगे समर्पण होता है। लेकिन 18 अध्याय के बाद आपने पढ़ा होगा 18 अध्याय में ये श्लोक आता है इतना ज्ञान सुनने के बाद अर्जुन लास्ट में समर्पित होता है और वो कहता है कि अब मुझे स्मृति आई है कि मैं कौन हूँ और आप कौन हैं। अब मेरे सारे संशय समाप्त हो गये हैं। मेरा रोम-रोम अब हर्षित हो रहा है। हे भगवान! अब आप जो कहेंगे वो मैं करूँगा। तब अर्जुन नष्टोमोहा स्मृतिर्लब्धा बनता है, 18 अध्याय के अन्त में। तो ये संगमयुग की ही यादगार है। प्रैक्टिकल पढ़ाई स्वयं शिवबाबा,स्वयं भगवान ने टीचर बन पढ़ाया। वास्तव में अगर सत्यता को समझें तो साकार बाबा ने,बाबा अव्यक्त हुए उसके साथ प्रैक्टिकल पढ़ाई तो पूरी हो गई। जो रोज़ टीचर स्वयं आकर पढ़ाते थे वो पार्ट तो पूरा हो गया। उसके बाद तो रिवीज़न कोर्स चल रहा है। जैसे स्कूल में भी जब तक कोर्स चलता है तो रोज़ टीचर आके पढ़ाते हैं, लेकिन कोर्स पूरा हो जाता है रिवीज़न का टाइम आता है एग्ज़ाम के पहले तो रोज़ टीचर आकर नहीं पढ़ाते, जहाँ मुश्किल लगती है वहाँ टीचर की हेल्प लेते हैं, और लास्ट है एग्ज़ाम। तब टीचर साक्षी बन जाते हैं फिर वो हेल्प नहीं कर सकते।

बुद्धि को समर्पण करना माना जो बाबा कहे वो ही मुझे करना है। जो नहीं करना है, जिसके लिए बाबा ना कहता है वो मुझे नहीं करना है। तब कहेंगे कि हम नष्टोमोहा बनकर स्मृतिर्लब्धा बनते जा रहे हैं।

बाबा का अव्यक्त होना माना प्रैक्टिकल पढ़ाई का कोर्स पूरा हो गया। अभी रिवाइज़ कोर्स चल रहा है। हम सभी जो 1969 के बाद ज्ञान में आये हैं वो तो सब रिवीज़न कोर्स में आये हैं। मेरे कहने का भाव है कि पढ़ाई पूरी हो गई और रिवीज़न कोर्स चलने का समय अब समाप्त होने को आया। अब भी हम बुद्धि का समर्पण नहीं करेंगे तो कब करेंगे! और बुद्धि को समर्पण करना माना जो बाबा कहे वो ही मुझे करना है। जो नहीं करना है, जिसके लिए बाबा ना कहता है वो मुझे नहीं करना है। तब कहेंगे कि हम नष्टोमोहा बनकर स्मृतिर्लब्धा बनते जा रहे हैं। प्रैक्टिकल हम एग्ज़ाम्पल बनते जा रहे हैं। तो ये है कि समझने के बाद, निश्चयात्मक बुद्धि बनने के बाद, बुद्धि बाबा को समर्पण करने के बाद आचरण में ज्ञान आता है। और कर्म में ज्ञान आना, व्यवहार में श्रीमत को धारण करना, ज्ञान के हर महावाक्य का प्रैक्टिकल स्वरूप बनना उसको कहेंगे सही अर्थ में सच्चा योगी जीवन। योगी बनना माना ये नहीं है कि हम चार घंटा पालथी मारकर बैठ गये और आचरण में कुछ भी नहीं। ज्ञान का प्रैक्टिकल स्वरूप है योगी जीवन। हर श्रीमत की धारणा स्वरूप बनना वो है योगी बनना।

नई दिल्ली। यूनियन मिनिस्टर फॉर रेलवेज़ अश्विनी वैष्णव को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. विजय दीदी। साथ हैं ब्र.कु. शिविका बहन, ब्र.कु. मृत्युंजय भाई तथा ब्र.कु. प्रकाश भाई,माउण्ट आबू।

पटना-कंकड़बाग(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'आत्मनिर्भर किसान अभियान' का महाराज गार्डन में दीप प्रज्वलित कर राज्य मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह ने शुभारंभ किया। इस मौके पर ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,मेहसाना गुजरात, ब्र.कु. बद्री विशाल भाई,कृषि विभाग सहायक निदेशक,उ.प्र., स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. संगीता बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन,गया ए.पी. कॉलोनी, ब्र.कु. ज्योति बहन तथा अन्य गणमान्य लोगों सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनें उपस्थित रहे।

आगरा म्यूज़ियम-उ.प्र.। जिला प्रशासन, आयुष मंत्रालय, क्रीड़ा भारती, ब्रह्माकुमारीज़ तथा अन्य स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग से एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 'मानवता के लिए योग' कार्यक्रम में जगबीर सिंह,ओलम्पिक प्लेयर,अर्जुन अवॉर्डी, पूर्व सांसद प्रभु दयाल कठेरिया,कमिश्नर अमित कुमार, ब्र.कु. शीला दीदी,आगरा ज़ोनल इंचार्ज, ब्र.कु. दर्शन दीदी, ब्र.कु. मधु दीदी, ब्र.कु. संगीता बहन,स्पोर्ट्स विंग कोऑर्डिनेटर,ब्रह्माकुमारीज़ आगरा, ब्र.कु. मंजरी बहन, ब्र.कु. सावित्री बहन तथा बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

दिल्ली-लोधी रोड। राजीव बंसल,आईएएस,सचिव,विमानन मंत्रालय,भारत सरकार के साथ ज्ञान चर्चा के उपरांत उपस्थित हैं ब्र.कु. पीयूष भाई एवं ब्र.कु. गिरिजा दीदी।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित त्रिदिवसीय 'मैजिक ऑफ मेडिटेशन' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी। कार्यक्रम में यूनो मिंडा ग्रुप के उप प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रवि मेहरा, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. रमा बहन, ब्र.कु. फाल्गुनी बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जयपुर-राजापार्क(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासनिक सेवा प्रभाग द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रशासकों, कार्यपालकों, प्रबंधकों एवं अन्य अधिकारियों के लिए सेवाकेन्द्र पर आयोजित 'तनाव मुक्त एवं खुशहाल जीवन' कार्यक्रम में आईएएस कुंजी लाल मीणा, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान निदेशक संजीव शर्मा, प्रशासन से सम्बंधित कई अधिकारी, पार्षद तथा गणमान्य अतिथियों सहित प्रभाग की क्षेत्रीय संयोजिका एवं संस्थान की उपक्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. पूनम दीदी, प्रशासनिक सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. हरीश भाई,मा.आबू, मुख्य वक्ता,प्रभाग की म.प्र. राज्य संयोजिका ब्र.कु. डॉ. रीना दीदी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

नोएडा-उ.प्र.। डॉ. अजय,डायरेक्टर,पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थकेयर,नोएडा को सम्मानित करते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी बहन,एडिशनल ज़ोनल कोऑर्डिनेटर,मीडिया विंग,दिल्ली।

सहरसा-बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर कोविड वॉरियर के सम्मान समारोह के दौरान मंच पर उपस्थित हैं सिविल सर्जन, आईएमए प्रेज़िडेंट, आईएमए सेक्रेट्री तथा ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल विंग के सचिव ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह।

कानपुर-बर्रा 2(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'कल्प तरु' परियोजना के तहत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में पीएसआईटी कानपुर वाइस चेयरमैन बहन निर्मला, महिला मोर्चा मंत्री उ.प्र. डॉ. विजया, डॉ. आशा, ब्र.कु. शशि बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

आवश्यक सूचना

ग्लोबल हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग,शिवमणि होम के पास,तलहटी आबूरोड,सिरोही,
राजस्थान में वाइस प्रिंसिपल(महिला/पुरुष) की आवश्यकता है।

योग्यता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एम.एस.सी. नर्सिंग
अनुभव : नर्सिंग स्कूल अथवा कॉलेज में कम से कम 5 वर्ष का शिक्षण अनुभव

संपर्क करें
मोबाइल नं. : 6361546493
ई.मेल : ghsn.abu@gmail.com

समस्तीपुर-बिहार। व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. कृष्ण भाई। मंचासीन हैं ब्र.कु. सविता बहन, प्रमुख व्यवसायी प्रेम प्रकाश गुप्ता, सतीश कुमार चांदना तथा ब्र.कु. तरुण।

पुखरायां-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'कल्प तरु' परियोजना के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में वृक्षारोपण करते हुए डॉ. रामनरेश मैयर, समाजसेवी जय खात्री, ग्राम विकास अधिकारी मधुलता बहन, माउण्ट आबू से ब्र.कु. नरेन्द्र भाई, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ममता बहन तथा अन्य भाई-बहनें। कार्यक्रम में 101 पौधे रोपित किये गये।